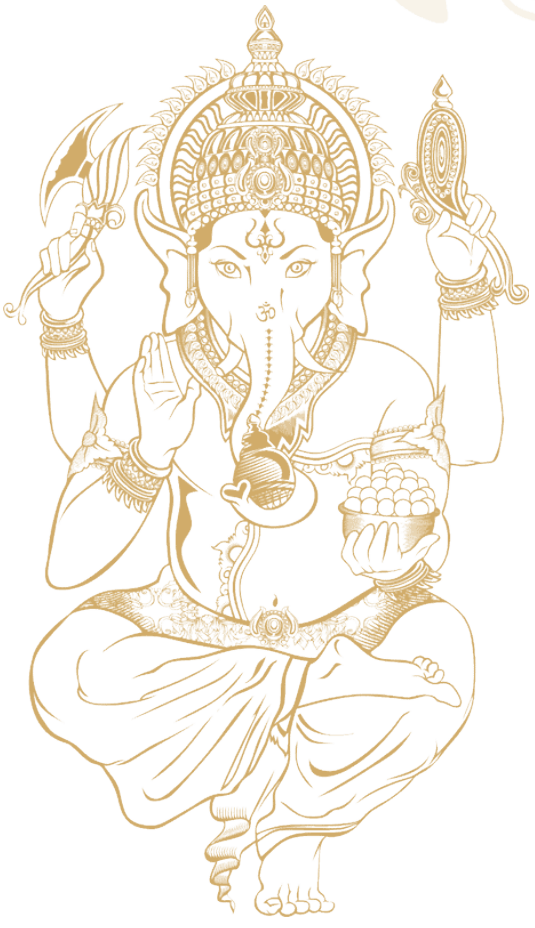

Mr. Shriyank

Ms. Sakshina trivedi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119669008

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/03/1995	जन्म तिथि	15-16/10/1997
शुक्रवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 17:17:00	जन्म समय	02:10:50 घंटे
घटी 27:49:40	जन्म समय(घटी)	50:13:17 घटी
India	देश	India
Katni	स्थान	Ujjain
23:47:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
80:29:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:09:07	सूर्योदय	06:23:43
18:19:56	सूर्यास्त	18:01:01
23:47:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:29

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 12वर्ष 10मा 24दि	25:53:37	सिंह	लग्न	सिंह	00:13:19	बुध 6वर्ष 11मा 9दि
मंगल	09:34:42	मीन	सूर्य	कन्या	28:42:04	शुक्र
16/02/2024	18:03:57	धनु	चंद्र	मीन	24:33:20	25/09/2011
16/02/2031	19:22:20	कर्क व	मंगल	वृश्चि	18:12:10	25/09/2031
मंगल 15/07/2024	20:53:53	कुंभ	बुध	तुला	00:06:16	शुक्र 24/01/2015
राहु 02/08/2025	21:29:21	वृश्चि	गुरु	मक	18:21:54	सूर्य 24/01/2016
गुरु 09/07/2026	01:45:16	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	14:29:36	चन्द्र 24/09/2017
शनि 18/08/2027	23:27:44	कुंभ	शनि व	मीन	22:38:08	मंगल 24/11/2018
बुध 14/08/2028	12:16:05	तुला व	राहु व	सिंह	25:37:38	राहु 24/11/2021
केतु 10/01/2029	12:16:05	मेष व	केतु व	कुंभ	25:37:38	गुरु 25/07/2024
शुक्र 12/03/2030	05:57:40	मक	हर्ष	मक	10:54:45	शनि 25/09/2027
सूर्य 18/07/2030	01:25:58	मक	नेप	मक	03:22:05	बुध 26/07/2030
चन्द्र 16/02/2031	06:41:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	10:04:21	केतु 25/09/2031

लग्न-चलित

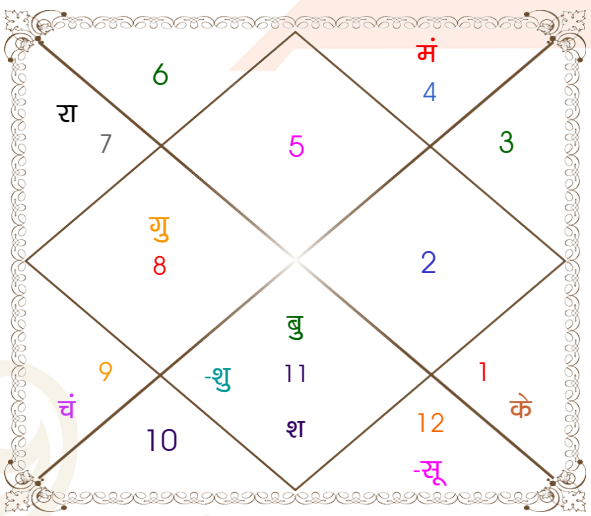

लग्न-चलित

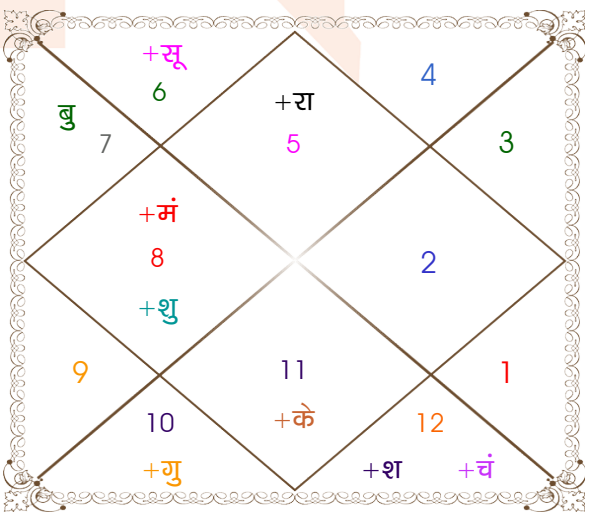

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Mr. Shriyank का वर्ग सर्प है तथा डेणैाीपदं जतपअमकप का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Shriyank और डेणैाीपदं जतपअमकप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Shriyank मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. Shriyank कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेणैाीपदं जतपअमकप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेण्ैीपदं जतपअमकप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्ैीपदं जतपअमकप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. Shriyank कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Shriyank तथा डेण्ैीपदं जतपअमकप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।